संक्षेप में

ऐपल 11 दिसंबर को नोएडा में खोलेगा स्टोर

ऐपल ने भारत में अपना पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने की शुक्रवार को जानकारी दी। कंपनी बयान के अनुसार डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित ऐपल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। इसमें कहा गया, 'यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को ऐपल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही ऐपल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।' *भाषा*

माइंडस्पेस ने खरीदी तीन प्रीमियम परिसंपत्ति

के रहेजा कॉर्प के निवेश वाली रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) माइंडस्पेस बिज़नेस पार्क्स रीट ने के रहेजा कॉर्प से 2,916 करोड़ रुपये में 3 कार्यालय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण की घोषणा की है। रीट के प्रबंधक मंडल ने अधिग्रहण और 1,820 करोड़ रुपये तक की इकाइयों के तरजीही निर्गम को भी मंजूरी दे दी है। ये अधिग्रहण सामूहिक रूप से लगभग 8 लाख वर्ग फुट प्रीमियम पट्टे वाले क्षेत्र हैं। इनका मूल्यांकन स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा 3,106 करोड़ रुपये के सकल संपत्ति मूल्य (जीएवी) पर किया गया है। *बीएस*

मदर डेरी के प्रबंध निदेशक ने दिया इस्तीफा

प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता मदर डेरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बंदलिश का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त होगा। उन्होंने मार्च 2021 में मदर डेरी के प्रबंध निदेशक का पद संभाला था। मदर डेरी से इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बंदलिश के कंपनी से अलग होने की पुष्टि की। कंपनी ने कहा, 'मनीष बंदलिश ने मदर डेरी के प्रबंध निदेशक पद से हटने का फैसला किया है ताकि वह कंपनी के बाहर अपने पेशेवर लक्ष्यों को पूरा कर सकें।' *भाषा*

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने किया आगाह ...

वजन की राहत, ईवी बिक्री आहत!

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 28 नवंबर

कैफे-3 पर रार

- **वाहन विनिर्माता कंपनियों ने कहा कि कैफे के मसौदा मानदंडों में बराबरी के अवसर नहीं**
- **विनिर्माताओं ने प्रस्तावित कैफे-3 कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन नियमन में 909 किलो से कम वजन वाली पेट्रोल कारों को छूट पर विरोध जताया है**
- **शुरू में ईवी अपनाने की गति धीमी थी मगर इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसमें तेजी आई है**

देश की शीर्ष चार कार विनिर्माता कंपनियों में से दो ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखा है। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को लिखे पत्र आगामी कैफे-3 कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन नियमन में 909 किलो से कम वजन वाली पेट्रोल कारों को प्रस्तावित छूट पर विरोध जताया है।

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने कहा कि कैफे-3 मानदंडों का मसौदा भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की मौजूदा गति को उलट देगा। नतीजतन, कार विनिर्माता उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने के वास्ते मजबूत हाइब्रिड कारों को तवज्जो देने लगेंगे। टाटा मोटर्स ने कहा कि 909 किलोग्राम से कम वजन वाली कारों को खास छूट देने से कार विनिर्माताओं के लिए बैटरी प्रणाली और ईंधन सेल जैसी उन्नत तकनीक में निवेश करने के बजाय पेट्रोल-डीजल इंजन प्लेटफॉर्मों में धीरे-धीरे सुधार करना आसान और सस्ता हो जाएगा।

दोनों कंपनियों ने 21 नवंबर को लिखे अपने पत्रों में उल्लेख किया है कि भार के आधार पर किसी भी तरह की कटौती से बराबरी के अवसरों पर असर पड़ेगा और सुरक्षित और स्वच्छ कारों की दिशा में देश की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा। अपने पत्र में टाटा मोटर्स ने लिखा है, '909 किलो से कम वजन वाली कारों में सिर्फ एक ही मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) की 95 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है। इनमें से कई हल्की कारें उसी कीमत श्रेणी में अन्य कारों के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं। खासकर भार के आधार पर कारों को प्रोत्साहित करना यात्री वाहन उद्योग में बराबरी के अवसर देने में बड़ी चुनौती होगी।'

कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता (कैफे) ढांचा औसत कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन लक्ष्य निर्धारित करता है। इसे हर वाहन बनाने वाली कंपनियों के बेड़े को पूरा करना होता है और इसे प्रति किलोमीटर उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड के ग्राम (जी प्रति किलोमीटर) में नापा जाता है। अगर कोई कंपनी लक्ष्य पूरा करने में विफल रहती है तो विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो उस पर सख्त दंड लगा सकता है।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल जून में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने कैफे-3 मानदंडों का पहला मसौदा प्रकाशित किया था, जो वित्त वर्ष 2028 से 2032 के बीच लागू होगा। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम ने अपने सदस्यों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद दिसंबर 2024 में अपनी प्रारंभिक टिप्पणियां प्रस्तुत कीं और उनमें कई बदलावों की मांग की गई थी। कुछ महीने बाद भारत की सबसे बड़ी कार विनिर्माता और छोटी कारों की सबसे बड़ी विक्रेता मारुति सुजुकी ने स्वतंत्र रूप से ऊर्जा दक्षता ब्यूरो से संपर्क किया और छोटी कारों के लिए भार के आधार पर छूट के जरिये राहत की मांग की। इस कदम ने उद्योग जगत में गहरी फूट डाल दी है।

टाटा मोटर्स और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा की चिट्ठी के बारे में पूछे जाने पर मारुति सुजूकी के प्रवक्ता ने कहा, 'कुछ गैस खपत वाले भारी वाहनों के विनिर्माताओं के लिए छोटे, स्वच्छ और अधिक ईंधन-कुशल वाहनों के लिए किसी भी प्रकार के नीतिगत समर्थन के खिलाफ लॉबिंग करना पूरी तरह से कारोबारी हित में है मगर यह देशहित के खिलाफ है।'

टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू मोटर भारत में तीन प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियां हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने भी 21 नवंबर को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को इसी तरह का एक पत्र लिखा था। इस मामले पर बिज़नेस स्टैंडर्ड ने टिप्पणी मांगी मगर किसी भी कंपनी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

मारुति सुजूकी के प्रवक्ता ने कहा, 'यूरोप, अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे 90 प्रतिशत से अधिक वैश्विक कार बाजार के नियमों में छोटी कारों की सुरक्षा के लिए कुछ प्रावधान हैं।' उन्होंने कहा कि बड़ी कारों के मुकाबले छोटी कारों में ईंधन की खपत बहुत कम होती है और वे कार्बन डाइऑक्साइड भी काफी कम उत्सर्जित करती हैं, इसलिए इस सुरक्षा उपाय से कार्बन डाइऑक्साइड में कमी और ईंधन की बचत दोनों में मदद मिलेगी।

प्रवक्ता ने कहा, 'फिलहाल कैफे-3 के मसौदे में 2.5 टन की बड़ी और भारी लग्जरी कारों में कार्बन डाइऑक्साइड में केवल 25 फीसदी की कमी की उम्मीद है मगर छोटी कार के प्रावधान के बाद भी, कैफे-2 के संदर्भ में ऑल्टो जैसी हल्की और छोटी कार में 44 फीसदी की भारी कमी की उम्मीद है।'

हालांकि, शुरुआत में इलेक्ट्रिक कारों को अपनाने की गति धीमी रही। लेकिन इस साल इलेक्ट्रिक कारों की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई है।

बैजूस को न्यायालय से फिर लगा झटका

भाविनी मिश्रा
नई दिल्ली, 28 नवंबर

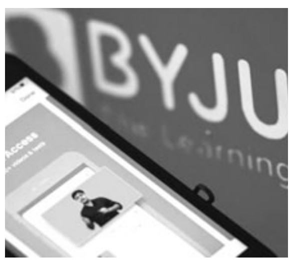

सर्वोच्च न्यायालय ने संकटों से घिरी एडटेक फर्म बैजूस पर दिवाला कार्यवाही जारी रखने का रास्ता आज साफ कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि ऋणदाताओं की समिति गठित की जा चुकी है। इसलिए दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता के तहत प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन के पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले के खिलाफ बैजू रवींद्रन की अपील खारिज कर दी। दोनों न्यायाधीशों ने कहा कि अपील अधिकरण का आकलन सही था कि एडटेक फर्म के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को वापस लेने के लिए ऋणदाताओं की समिति की मंजूरी जरूरी थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ बैजू रवींद्रन की अपील खारिज कर दी

एनसीएलएटी ने माना था कि भले ही कंपनी ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को 158 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है, लेकिन दिवाला कार्यवाही को वापस लेने के लिए ऋणदाताओं की समिति की मंजूरी जरूरी होगी। ऋणदाताओं की समिति एक निर्णय लेने वाला निकाय है, जिसमें मुख्य रूप से वित्तीय लेनदार हैं।

बीसीसीआई ने 158 करोड़ रुपये के बकाया के खिलाफ एड टेक फर्म के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू की थी। मगर बैजूस ने बीसीसीआई को बकाया राशि चुका दी थी, जिसके के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। फिर क्रिकेट प्रशासन निकाय ने अगस्त 2024 में दिवाला प्रक्रिया वापस लेने के लिए आवेदन किया था।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में रवींद्रन ने तर्क दिया कि वापसी का आवेदन ऋणदाताओं की समिति के गठन से पहले दायर किया गया था और इसलिए उसे ऋणदाताओं की समिति की मंजूरी की आवश्यकता नहीं थी।

मगर न्यायमूर्ति पारदीवाला ने इस तर्क पर सवाल उठाया और बताया कि एनसीएलएटी ने सर्वोच्च न्यायालय के पहले के एक फैसले पर सही ढंग से भरोसा किया था, जिसमें कहा गया था कि एक बार ऋणदाताओं की समिति बन जाने के बाद किसी भी वापसी को दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 12ए के तहत सांविधिक ढांचे के अनुरूप होना चाहिए।

टॉरंट फार्मा पर 41 करोड़ रुपये का जुर्माना : केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर कथित रूप से गलत 'रिफंड' के लिए टॉरंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। *भाषा*

बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700001
सीआईएन : L15492WB1924GOI004835

सार्वजनिक निविदा सूचना

बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड (एसबीयू: ग्रीसेस & लुब्रिकेंट्स - कोलकाता) एम.एस.टी.सी. पोर्टल **https://www.mstcecommerce.com** के माध्यम से अग्रिम नीलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करती है।

क्र. सं.	नीलामी संख्या एवं प्रकाशन तारीख	विवरण	नियत तिथि एवं समय (भामास)
1.	एमएसटीसी/ईआरओ/बामर लॉरी & कं लिमिटेड/5/हाइड रोड/25-26 /45157; दिनांक 29.11.2025	कबाड़ योग्य प्लांट एवं मशीनरी तथा ई-कचरा सामग्रियों के एकमुश्त निपटान हेतु अनुबंध	**23.12.2025**, समय: **16:00** बजे

निविदा दस्तावेज़ एम.एस.टी.सी. पोर्टल या बामर लॉरी की वेबसाइट www.balmerlawrie.com से प्राप्त किए जा सकते हैं। अग्रिम नीलामी एम.एस.टी.सी. पोर्टल पर ही आयोजित की जाएगी। निपटान केवल "जैसा है जहाँ है" आधार पर तथा "लॉट" के रूप में किया जाएगा। बोलीदाताओं को नीलामी से पूर्व निपटान की वस्तुओं का निरीक्षण अवश्य करना होगा।
इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि किसी भी संशोधन या शुद्धिपत्र की जानकारी हेतु बामर लॉरी की वेबसाइट तथा एम.एस.टी.सी. पोर्टल को समय-समय पर देखते रहें।
अधिक जानकारी या किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिए संपर्क करें: उप प्रबंधक (एस.सी.एम.)
लैंडलाइन: 033-24500175 या ईमेल: kumar.prabhat@balmerlawrie.com

'एजेंटिक एआई देश की वृद्धि के लिए अहम'

शिवानी शिंदे
मुंबई, 28 नवंबर

देश में उद्यम जहां तेजी से बदलती एआई तकनीक के हिसाब से काम कर रहे हैं, वहीं सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरपर्सन और मुख्य कार्य अधिकारी अरुंधती भट्टाचार्य का मानना है कि एजेंटिक एआई भारत के लिए बहुत अहम होगी और इसे दृढ़ता के साथ अपनाने की जरूरत है।

भट्टाचार्य ने बताया कि एजेंटिक एआई भारत के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी, शायद कई अन्य बाजारों से भी ज्यादा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत बहुत बड़ी आबादी वाला देश है और अगर हम देश के जनसांख्यिकी फायदे की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो ऐसी तकनीक का फायदा उठाना होगा जो व्यापक स्तर पर प्रभावकारी तरीके से असर डालने में देश की मदद करें। एजेंटिक एआई ऐसी ही तकनीक है। उन्होंने बिज़नेस स्टैंडर्ड के साथ वर्चुअल बातचीत में कहा, 'एजेंटिक एआई हमें इंसानी क्षमता बढ़ाकर और व्यापक स्तर पर रुचिपूर्ण, अधिक गुणवत्ता वाली सेवाएं देकर उस अंतर को पाटने में मदद करती है। इसीलिए मेरा मानना है कि एजेंटिक एआई भारत की वृद्धि के लिए अहम है। अगर हम इसे दृढ़तापूर्वक नहीं अपनाते हैं, तो हम मध्य आय वाले ब्रैकेट में फंसने का जोखिम उठा रहे हैं क्योंकि हमारा श्रमबल बदलाव की रफ्तार या आगे आने वाली चुनौतियों की मुश्किलों को संभालने के लिए तैयार नहीं होगा। इसलिए एजेंटिक एआई का इस्तेमाल करना वैकल्पिक नहीं है, बल्कि यह उत्पादकता, दक्षता और समूची आ र्थिक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है।'

अपनी बात समझाने के लिए वहबताती हैं कि देश ने वित्तीय समावेशन के लिए किस तरह जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास 1.4 अरब लोग और लगभग 6,00,000 गांव हैं। जब भारत ने वित्तीय समावेशन के लिए जोर दिया, तो यह आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी तकनीकों के बिना संभव नहीं होता। आज भी यही सिद्धांत लागू होता है। चाहे यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास की बात हो या दूसरी जरूरी सेवाओं तक पहुंच की, ऐसा कोई भौतिक मौजूदगी वाला प्रारूप नहीं है, जो इन्हें बड़े स्तर पर या हमारी आबादी के लिए जरूरी रफ्तार से उपलब्ध कर सके।'

आकाश ने टीएलपीएल का शेयर आवंटन रोका

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 28 नवंबर

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने 100 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू पूरा कर लिया

एडटेक कंपनी बैजूस का संचालन करने वाली कंपनी की सहायक - आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने 100 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू पूरा कर लिया है। इसमें मौजूदा निवेशक मणिपाल ग्रुप (58 करोड़ रुपये) तथा बीयर इन्वेस्टको (16 करोड़ रुपये) को उनके हिस्से के अनुपात में शेयर आवंटन किए गए हैं। लेकिन एईएसएल ने थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) को शेयर आवंटन यह कहते हुए रोक लिया कि बैजूस की मूल कंपनी द्वारा जमा कराए गए 25 करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा प्रबंधन अ धिनियम (फेमा), कंपनीज अ धिनियम, 2013 और बाह्य वाणि ज्यिक उधारी (ईसीबी) के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं।

टीएलपीएल कॉर्पोरेट दिवालिया प्रक्रिया में है और समाधान पेशेवर ने पंचाट तथा सर्वोच्च न्यायाल के सामने राइट्स इश्यू का विरोध किया था, लेकिन असफल रहे। फिर भी टीएलपीएल ने 25 करोड़ रुपये जमा करते हुए राइट्स इश्यू को सब्सक्राइब करने की कोशिश की।

टीएलपीएल के पूर्व प्रवर्तक रिजू रवींद्रन ने बेंगलूरु में राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) के सामने अर्जी दायर की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि टीएलपीएल ने अपने 25 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 100 करोड़ रुपये के डिबेंचर जारी करके पैसे जुटाए, जो विदेश मुद्रा नियमों और निर्देशों का उल्लंघन कर सकते हैं। एनसीएलटी रवींद्रन के आरोपों की जांच कर रहा है।

एईएसएल के प्रमुख (कानून) संजय गर्ग ने कहा, 'यह साफ है कि टीएलपीएल को मिला पैसा बाह्य वाणिज्यिक उधारी के ढांचे में कर्ज या डिबेंचर वाली प्रकृति का है और इसका इस्तेमाल इक्विटी यानी आकाश में शेयर खरीदने के लिए नहीं किया जा सकता। अगर किसी नियामकीय अधिकारी द्वारा कोई जांच की जाती है, तो आकाश पर राइट्स इश्यू की अनुमति देने का आरोप लग सकता है, जिससे इक्विटी में निवेश के लिए ईसीबी का इस्तेमाल किया जा सके।'

पैसे की अनुमति के संबंध में स्पष्टता के लिए एईएसएल के जोर देने पर समाधान पेशेवर ने टीएलपीएल और बैजूस अल्फा इंक. (डेलावेयर निवेशक) के बीच हुआ डिबेंचर सब्सक्रिप्शन अनुबंध उपलब्ध कराया और साथ ही कानूनी परामर्श भी दिया जिसमें कहा गया था कि सब्सक्रिप्शन धन में फेमा कानूनों का उल्लंघन नहीं हुआ है।

ANGEL ONE LIMITED
Regd. Off: 601, 6th Floor, Ackruti Star, Central Road, MIDC, Andheri East, Mumbai - 400093 **SEBI Registration No (Stock Broker):** INZ000161534

PUBLIC NOTICE

This is to inform that, some unknown individuals are wrongfully and deceptively using the brand name and logo of Angel One Limited to carry out scams and illicit activities through social media applications, weblinks & are collecting funds and offering returns on investment. They deceive the general public in believing it to be associated with Angel One Limited.
Algo platform Algorooms.com is illegally using Angel One brand name logo on their platform with the intent to defraud customers.
Further, certain whatsapp / telegram groups/individuals are wrongfully and deceptively using the brand name, logo of Angel One Limited along with name & image of senior official to deceive the general public in believing it to be associated with Angel One Limited. List of such impersonating groups/individuals/applications/weblinks can be accessed from link : **https://www.angelone.in/caution-for-investors**
Investors and General Public are hereby informed that Angel One Limited does not have any association and/or relation, directly or indirectly, with such applications/weblinks or private whatsapp / telegram groups in any capacity.
Angel One Limited will not be liable in any manner of financial loss and /or consequence of dealing with such application or weblink. Please note that any person dealing with them will be dealing at his/her own risk and responsibility.

For ANGEL ONE LTD
Sd/-,
Authorized Signatory
Date : 29.11.2025

रोजाना 2 नए स्टोर जोड़ेगी अपोलो फार्मेसी

शाइन जेकब
चेन्नई, 28 नवंबर

देश के सबसे बड़े ओमनीचैनल फार्मेसी नेटवर्क अपोलो फार्मेसी ने आज कहा है कि वह अगले पांच वर्षों तक रोजाना दो नए स्टोर जोड़ेगी। इस तरह 2030 तक उसके स्टोरों की कुल संख्या 10,600 से अधिक हो जाए। कंपनी के फिलहाल 7,000 स्टोर हैं। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि अब उसके पास 7,000 स्टोर का मजबूत नेटवर्क है, जो देश की सबसे बड़ी फार्मेसी बनने की उसकी चार दशक की यात्रा में बड़ी उपलब्धि है। कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि देश भर के घरों तक प्रामाणिक दवाइयों और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी जरूरी वस्तुएं पहुंचाने की अपोलो की प्रतिबद्धता दर्शाती है। कंपनी के 7,000वें स्टोर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ है।

अपोलो हेल्थकेयर कंपनी की कार्यकारी चेयरपर्सन शोभना कामिनेनी ने कहा, 'आज, लगभग 80 फीसदी भारतीय अपोलो फार्मेसी से 40 मिनट की दूरी पर रहते हैं। हम पहले से ही प्रतिदिन दस लाख से ज्यादा ऑर्डर पूरे करते हैं। 7,000 स्टोरों की यह उपलब्धि अपोलो द्वारा निर्मित विस्तार और परिवारों द्वारा हम पर जताए गए भरोसे को दर्शाती है। हम पहुंच को और बढ़ाते रहेंगे और भारत के फार्मेसी नेटवर्क को मजबूत करते रहेंगे। साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि अपोलो स्वास्थ्य सेवा के लिए पहला और सबसे विश्वसनीय विकल्प बना रहे।'

कामिनेनी ने कहा कि अपोलो फार्मेसी की पहुंच को उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म अपोलो 24|7 से मजबूती मिलती है, जो 19,000 से ज्यादा इलाकों में सेवाएं प्रदान करता है और सभी प्रमुख महानगरों में तुरंत दवाइयां एवं स्वास्थ्य देखभाल के लिए अन्य जरूरी वस्तुएं पहुंचाता है। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को अपोलो की व्यापक देखभाल से भी जोड़ता है और अपोलो के डॉक्टरों के साथ वर्चुअल परामर्श, डायग्नोस्टिक सेवाएं, पुरानी बीमारियों का इलाज और अनुकूलित बीमा समाधान प्रदान करता है।

अपोलो फार्मेसी के मुख्य कार्य अधिकारी पी जयकुमार ने कहा, 'चार दशकों का अनुभव, बेजोड़ विस्तार और ओमनीचैनल मॉडल हमें भारत की स्वास्थ्य सेवा संबंधी जरूरतों को तेजी और भरोसे के साथ पूरा करने की क्षमता देते हैं। हम हर दिन दो नए स्टोर खोलकर विस्तार जारी रखेंगे और अगले पांच वर्षों में अपने ग्राहक आधार को 10 करोड़ तक बढ़ाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उच्चतम गुणवत्ता वाली दवाइयां सभी की पहुंच में रहें।'

Mahindra FINANCE

पंजीकृत कार्यालय : गेटवे बिल्डिंग, अपोलो बंडर, मुंबई– 400 001
कॉर्पोरेट कार्यालय : बी विंग, तृतीय तल, अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, पीरामल अमिति बिल्डिंग, कमानी जंक्शन, कुर्ला पश्चिम मुंबई– 400 070

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना (सरफेसी अधिनियम के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 8(6) के अंतर्गत)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 ("नियमावली") के नियम 8(6) के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("सरफेसी अधिनियम") के अंतर्गत बैंक के पास प्रभारित अचल परिसंपत्ति की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना
एतद्द्वारा सामान्य जनता और विशेष रूप में उधारकर्ता, गारंटर और बंधककर्ता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ("प्रतिभूत ऋणदाता/एनबीएफसी") के पास बंधक/प्रभारित (सामूहिक रूप से "संपत्ति" के रूप में संदर्भित) हैं, जिनका कब्जा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत नियमों के साथ, जैसा कि नीचे विस्तृत रूप से बताया गया है, ले लिया गया है, उसके अनुसार "जहाँ है जैसी है", "जो है जैसी है", "जो कुछ भी है" और "बिना किसी सहारे के" के आधार पर, बैंक के बकाया राशि और ब्याज की वसूली के लिए, जैसा कि नियमों के नियम 8 और 9 के अंतर्गत विस्तृत रूप से बताया गया है, नीचे दी गई ई–नीलामी अनुसूची के अनुसार बोलियाँ आमंत्रित करके, बेची जाएँगी :

पक्षों का संक्षिप्त विवरण, बकाया राशि और संपत्ति

उधारकर्ता और बंधककर्ता का नाम	मांग राशि, मांग सूचना तिथि और कब्जा सूचना तिथि	संपत्ति निरीक्षण तिथि और समय	दस्तावेज़ों सहित बोलियाँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि	ई–नीलामी की तिथि और समय	आरपी, ईएमडी और बीआईए	अधिकृत अधिकारी का नाम, संपर्क संख्या और ईमेल आईडी
1. भाविका ज्वेलर्स (उधारकर्ता) 2. शोभना सोनी (सह–आवेदक और बंधककर्ता) 3. जीवन सोनी (सह–आवेदक और बंधककर्ता)	मांग राशि : रु. 33,69,493.06/– (रुपये तैंतिस लाख उनहत्तर हजार चार सौ तिरानबे तथा छह पैसे मात्र) 10 जनवरी 2025 के अनुसार 13(2) मांग सूचना तिथि : 14.01.2025 कब्जा की तिथि : 30.07.2025	08.12.2025 से 12.12.2025 सुबह 11:00 से शाम 5:00 बजे के बीच	18.12.2025	ई–नीलामी तिथि : 19.12.2025 ई–नीलामी समय : सुबह 10:00 से अप. 4:00 बजे	आरक्षित मूल्य : रु. 28,00,000/– (रुपये अट्ठाईस लाख मात्र) धरोहर राशि जमा : रु. 2,80,000/– (रुपये दो लाख अस्सी हजार मात्र) बोली वृद्धि राशि : रु. 10,000 (रुपये दस हजार मात्र)	श्री आरिफ खान +91 9822548464 ARIF.KHAN@mahindrafinance.com श्री अनुरोध कुमार तिवारी +91 9752002281 ANURODH.TIWAR1@mahindrafinance.com श्री मनीष कुशवाहा +91 8602019804 MANISH.KUSHWAH@mahindrafinance.com श्री वरद भरनुके +91 8097185044 varad.bharnuke@mahindrafinance.com

संपत्ति का विवरण – आदर्श कल्याण नगर, रतलाम में सर्वे क्रमांक 597/10 की भूमि पर स्थित भूखंड पर निर्मित आवासीय भवन के समस्त भाग तथा अंश। कुल क्षेत्रफल : 656.25 वर्ग फुट (60.88 वर्ग मीटर) **निम्नलिखित सीमाएँ : पूर्व :** कमलाबाई का मकान, **पश्चिम :** कॉलोनी की सड़क, **दक्षिण :** कैलाशीबाई का भूखंड, **उत्तर :** अशोक राठौड़ का मकान।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया दिए गए लिंक https://www.mahindrafinance.com/sme-loans/auction-notices पर जाएँ या अधिकृत अधिकारियों से संपर्क करें और ई–नीलामी मार्गदर्शन के लिए संपर्क व्यक्ति श्री बालाजी मन्नूर, मोबाइल नंबर : 7977701080, ई–मेल आईडी : Mannur.govindarajan@c1india.com से संपर्क करें।

दिनाँक : 29–11–2025, स्थान : रतलाम, मध्य प्रदेश — **हस्ता./– प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड**

भारत में पोर्टफोलियो दोगुना करेगी आईडब्ल्यूजी

प्राची पिसाल
मुंबई, 28 नवंबर

दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड कार्यस्थल प्लेटफॉर्म - इंटरनैशनल वर्कप्लेस ग्रुप (आईडब्ल्यूजी) अगले 18 से 24 महीने में भारत के अपने पोर्टफोलियो को लगभग 120 केंद्रों से बढ़ाकर करीब दोगुना करेगा। वह इन्हें 250 से ज्यादा करने की योजना बना रहा है।

आईडब्ल्यूजी के मुख्य कार्य अधिकारी (पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और एशिया-प्रशांत) मार्क डेस्क्रोजाइल ने कहा कि भारत अभी कंपनी के प्रमुख 15 बाजारों में शामिल है। उन्होंने कहा, 'हम वृद्धि तेज करने के लिए मौके, साझेदार और निवेशक खोजने का प्रयास कर रहे हैं। अगले तीन से चार साल में भारत आईडब्ल्यूजी के प्रमुख तीन बाजारों में से एक होना चाहिए। हम उसी हिसाब से विकास तेज करने के मामले में अच्छी स्थिति में हैं।' को-वर्किंग क्षेत्र की स्विट्जरलैंड की यह वैश्विक कंपनी अधिग्रहण के लिए भी तैयार है। डेस्क्रोजाइल ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'हम बातचीत कर रहे हैं। अभी कुछ खास नहीं है। अगर हम आगे बढ़ते हैं, तो यह रणनीतिक होना चाहिए। हम कुछ ऐसे प्रतिस्पर्धियों को सेवा दे रहे हैं, जो शायद संघर्षरत हों। कुछ को हमारी प्रणाली में शामिल किया जा रहा है।'

आईडब्ल्यूजी ने साल 2025 के पहले 9 महीने के दौरान समूह के राजस्व में 2.8 अरब डॉलर दर्ज किए। साल 2024 में राजस्व 3.7 अरब डॉलर था। कंपनी 120 देशों में 14 ब्रांड के जरिये काम करती है। इनमें रेगस, सिग्नेचर, स्पेसेज और एचक्यू शामिल हैं और वह 80 लाख उपयोगकर्ताओं को सेवा देती है। भारत में आईडब्ल्यूजी 21 सालों से है। यहां वह अभी सिग्नेचर को छोड़कर इन सभी ब्रांड को चलाती है।

उन्होंने कहा, 'हम अपने प्रीमियम ब्रांड सिग्नेचर को प्रमुख बड़े शहरों के सबसे अच्छे सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) में से एक में लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हमने हाल में अमेरिक में कुछ ऐसे ब्रांड खरीदे हैं, जिन्हें चिकित्सा सेवा में विशेषज्ञता है। अगर हम उन्हें भारत ला सकें तो यह शानदार मौका होगा।'

आईडब्ल्यूजी देश में तकनीक, वितरण और ब्रांड विस्तार में तो निवेश कर रही है, लेकिन रियल एस्टेट में नहीं। डेस्क्रोजाइल ने कहा, 'हम रियल एस्टेट में निवेश करते थे। लेकिन अब हम ऐसा नहीं करते। हम साझेदारों पर काफी ज्यादा निर्भर हैं। हम मकान मालिकों को साझेदार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम जगहों का प्रबंध करते हैं, शुल्क लेते हैं और उनके साथ लाभ साझा करते हैं।' कंपनी कई हितधारकों के साथ मिलकर काम करती है, जिनमें डेवलपर, इमारतों के मालिक और यहां तक कि एक ही फ्लोर पर जगह रखने वाले व्यक्तिगत निवेशक भी शामिल हैं।

भोपाल संस्करण : बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म. प्र. 462023 से मुद्रित एवं सी/ओ अशोक कुमार जैन, शॉप नं. 1, पटेल मार्केट, संगम टॉकीज के समीप, भोपाल- 462001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल\ आरएनआई नं. MPHIN/2008/24603 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं